period for which such data are available, is given below:

(Figures in US $ million)

	Exports	Imports
1993-94	22238	23306
1994-95(P)	26223	28251
1995-96(P) (April-June)	7168	7992

(P) Provisional figures.

Expert Committee on Sugar Mills

1427. SHRI S. AUSTIN: Will the Minister of FOOD be pleased to state:

(a) whether Government have set up an Expert Committee to explore the possibilities of bringing extensive improvements in the existing techniques of sugar mills located in various States particularly in Tamil Nadu;

(b) if so, the details thereof;

(c) the terms of reference of this committee;

(d) whether there is an ample scope for increasing the sugar production by bringing extensive improvement in their existing techniques; and

(e) whether sugar industries set up in Tamil Nadu particularly those in western Tamil Nadu are more under developed in comparison to the sugar industries located in other States?

THE MINISTER OF FOOD (SHRI AJIT SINGH): (a) No. Sir.

(b) and (c) Does not arise.

(d) Yes, Sir.

(e) The conversion cost is a primary indicator of the State of development of the sugar industry in any particular area. The average conversion cost (including escalation), computed for the purpose of levy price determination for the current season, comes to Rs. 209.17 per quintal for Tamil Nadu and Pondicherry levy prices zone, as compared to all India average of Rs. 237.81 per quintal.

Modification of sampling procedure of coal by BIS

1428. SHRI DIPANKAR MUKHERJEE:
SHRIMATI CHANDRA KALA PANDEY:

Will the Minister of COAL be pleased to state:

(a) whether the Coal Controller or the Coal Companies have requested the Bureau of Indian Standards to modify the sampling procedure as per IS-436 to make it realistic and practicable;

(b) if so, when the approach has been made and what action is being taken by the Bureau to modify/amend the IS; and

(c) whether Bureau of Indian Standards is aware of any simplified system of sampling of coal circulated by Coal Controller, which has been adopted by the Coal Companies for Joint sampling arrangements?

THE MINISTER OF STATE OF MINISTRY OF COAL (SHRI AJIT KUMAR PANJA): (a) to (c) As per information furnished by Bureau of Indian Standards (BIS), Coal Controller had made a request to the BIS in June 1992 for simplification/modification of sampling of coal as covered in IS:436-1964. A number of experiments on simplification modification of the sampling method were carried out by Dentral Fuel Research Institute (CFRI), Chanbad in association with Coal Controller's Office. The report of these experiments was discussed in the meeting of Solid Mineral Fuels Sectional Committee at BIS, New Delhi and it was decided to circulate a draft revised standard for public comments.

देश में मछली प्रसंस्करण उद्योग

1429. **श्री अजीत जोगी:** क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकारी और गैर-सरकारी क्षेत्र के अंतर्गत झींगा मछली प्रसंस्करण उद्योगों की संख्या कितनी है;

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान झींगा मछली के निर्यात के माध्यम से प्रति वर्ष कितनी विदेशी मुद्रा अर्जित की गई है;

(ग) क्या सरकार झींगा प्रसंस्करण क्षेत्र को और अधिक प्रोत्साहन देने तथा इसमें नये एककों की स्थापना को सरल बनाने का विचार रखती है; और

(घ) यदि हां, तो उसका यौरा क्या है?

वाणिज्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी० चिदम्बरम्): (क) तथा (ख) सरकारी और गैर-सरकारी क्षेत्र में प्रसंस्करण इकाइयों की संख्या 4 और 366 है।

पिछले तीन वर्षों के दौरान वर्ष-वार पशीतित झींगा मछली के निर्यात से हुई विदेशी मुद्रा आय का ब्यौरा नीचे दिया गया है—

वर्ष	अर्जित विदेशी मुद्रा (करोड़ रु० में
1992-93	1176.83
1993-94	1770.73
1994-95	2516.60
	(स्रोतः एम्पीडा)

(ग) तथा (घ) एम्पीडा पहले से ही अनेक इमेदादी योजनाएं चला रहा है जिनका उद्देश्य मत्स्य संसाधन क्षेत्र का संवर्धन करना है। इसमें अन्य योजनाओं के साथ-साथ ये भी शामिल हैं—उन्नत प्लेट फ्रीजरों, प्रशीतित ट्रकों/कन्टेनरों को लगाने के लिए तकनीकी परामर्श और आर्थिक सहायता देना, झीतगारों का उन्नयन करना, उष्मारोधी मत्स्य संदूक वितरित करना, आई क्यू एफ झींगा के उत्पादन के लिए मशीन और उपकरण खरीदना और जनरेटर सैटों, आदि के लिए इमदाद देना।

चीनी का उत्पादन

1430. **श्री रामजीलालः** क्या **खाद्य** मंत्री बताने की कृपा करेंगे किः

(क) इस वर्ष चीनी का कितना उत्पादन हुआ और क्या बढ़ती हुई जनसंख्या और इस वर्ष केवल 145 लाख टन चीनी के स्वेदशी उत्पादन को दृष्टिगत रखते हुए और अधिक चीनी का आयात किए जाने की आवश्यकता होगी;

(ख) सि समय देश में कितनी चीनी मिलें हैं और उनमें से कितनी मिलें रुग्ण हैं, और

(ग) सरकार द्वारा उनके पुरुद्धार के लिए क्या कार्यवाही की जा रही है?

खाद्य मंत्री (श्री अजित सिंह): (क) चालू चीनी मौसम 1994-95 के दौरान चीनी उत्पादन 15.7.1995 तक 142.27 लाख टन है (अंनितिम)। 1994-95 मौसम के शुरू में देशी चीनी के अनुमानित पूर्वशिष्ट स्टॉक तथा पूर्व आयातित चीनी के अधिशेष स्टॉक के साथ, मौसम के दौरान 143.00 लाख टन के अनुमानित उत्पादन सहित, ऐसा अनुमान है कि चालू मौसम 1994-95 (अक्तूबर-सितम्बर) के लिए घरेलू खपत की आवश्यकता को पूरा करने के लिए चीनी की पर्याप्त उपलब्धता होगी।

(ख) 30.6.1995 तक देश में 437 संस्थापित चीनी फैक्ट्रियां थीं। रुग्ण औद्योगिक कम्पनीज़ (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1985 के प्रावधानों में अन्तर्गत जो कम्पनी रुग्ण हो जाती है उसे विचारार्थ औद्योगिक तथा वित्तीय पुनर्निमाण बोर्ड (बी०आई०एफ०आर०) के सुपुर्द कर दिया जाता है। इन प्रावधानों के अन्तर्गत अब सरकारी कम्पनियां भी आ गई हैं। बी०आई०एफ०आर० ने सूचित किया है कि 1.8.1995 तक उसके पास रुग्ण चीनी कम्पनियों के 16 दर्ज़ थे।

(ग) चीनी मिलों के स्वयं ही पुनर्उद्धार/आधुनिकीकरण की योजनाएं तैयार करके उन्हें वित्तीय सनस्थानों में मंजूर कराना होता है। चीनी विकास निधि (एस०डी०एफ०) से भी वित्तीय सहायता उप लब्ध कराई जाती है।

मध्य प्रदेश के पिछड़े क्षेत्रों का विकास

1431. **श्री दिलीप सिंह जूदेवः** क्या **योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने मध्य प्रदेश के पिछड़े ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों के विकास के लिए कोई विशेष योजना बनायी है;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में जिला-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) पिछले तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष के दौरान उक्त क्षेत्र के विकास के लिए जिला-वार कितने-कितने धन का आवंटन किया गया है; और